Romans 8:1-16

रोमियो ८:१-१६

Calming Storms

Pastor Bryan Chapell

पास्टर ब्रायन चैपल

11.12.17

११.१२.१७

Introduction: A troubled soul that cries out,"I am a freak! Not good. Not Strong. Not loved.

प्रस्तावना: एक परेशान आत्मा जो रो रही है " में सनकी हूँ, बुरा हूँ, कमज़ोर हूँ. कोई प्यार करने वाला नहीं

1. Calming the storm of self-condemnation

आत्म निंदा की आंधी को शांत करना

1. Cast the Word (v1)

वचन को डालो (व् १)

    B. Broadcast Grace (v2-4)

 कृपा का प्रसारण करो (व् २-४)

1. Calming the storm of Self-doubt

आत्म संदेह की आंधी को शांत करना

1. The helplessness of those not "in Christ" (v5-8)

जो प्रभु यीशु में नहीं है उनकी की बेबसी (व् ५-८)

    B. The power of those "in Christ" (v9-13)

 प्रभु यीशु में है उनकी ताकत (व् ९-१३)

1. Calming the storm of self-rejection

आत्म अस्वीकृति की आंधी को शांत करना

1. Facing the sin (v9, 10, 11)

पाप का सामना करना (व् ९, १०, ११)

    B Embracing the Spirit (v14-16)

 आत्मा को गले लगाना (व् १४-१५)

Conclusion: Peace for our storm in the face of the failures revealed in our own families

निष्कर्ष: अपने परिवार की असफलता की आंधी में भी शांति